अहिंसा के दूत

सारांश

- ~~बच~~ बचपन में गांधीजी को प्यार से सभी मोहन ~~के~~ के स्थान के स्थान पर मोनिया कहते थे पेड़ पर चढ़ना उसका शौक था। ~~घर~~ घर के लोगों को पेड़ से मोनिया के गिरने का डर लगता, किंतु वह निर्भीक था। एक दिन वह अमरूद के पेड़ चढ़ गया। वह नीचे उतरता, इसके पहले ही उसके बड़े भाई वहां आ गए।
- उन्होंने उसे पेड़ पर चढ़े देखा, तो नाराज होकर उसे दो-चार- थप्पड़ ~~कर~~ दिए। मोनिया रोते हुए मां के पास पहुंचा और बोला - 'माँ भाई ने मुझे मारा'। माँ ने सहज भाव से कह दिया - 'जा तू भी उसे मार आ। मां के ऐसा कहते ही वह गंभीर होकर बोला- 'ऐसा तुम कहती हो, माँ

मैं झगड़ा होता तो रहता हूँ। मोनिया तनकर
मां की बात काटते हुए बोला — तुम गलत हो
मां, जो बड़े को मारने की सीख देती हो।
भाई मुझसे बड़े हैं।